NEWS CLIPPING:25.10.2021

THE TRIBUNE

CM Manohar Lal Khattar addresses the almuni meet of the YMCA in Faridabad. TRIBUNE PHOTO

Khattar calls on alumni to make varsities self-reliant

TRIBUNE NEWS SERVICE

FARIDABAD, OCTOBER 24

Haryana Chief Minister Manohar Lal Khattar has called upon the alumni to contribute towards making universities self-reliant.

Addressing the alumni meet of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, here last evening, he said the alumni should adopt their alma-mater and make it a zero government-aided university. The CM said the universities would have to adopt the traditional gurukul system in which such institutions used to mobilise their resources through guru-dakshina (donations by students for their teachers). "Similarly, the universities have to activate the role of alumni to mobilise financial resources for which a separate alumni cell with a database should be set up," said Manohar Lal who claimed that the universities could be made completely or partially free from government aid, if alumni resources were mobilised properly. Describing the alumni as the capital of educational institutions, he said it would help in ensuring that the benefits of government grants reached the needy. The CSR (corporate social responsibility) funds should be used to pay the fee of poor students. On the call of Vice-Chancellor Dinesh Kumar, the alumni and entrepreneurs present on the occasion contributed Rs 1 crore to the university and committed to contribute over Rs 5 crore soon.

₹1 crore donated to JC Bose varsity

Earlier, the CM laid the foundation stone of Deendayal Upadhyaya Knowledge Resource Centre on the university campus. It will come up at a cost of Rs 13 crore. The Chief Minister was apprised of the development activities and ongoing projects which included the upcoming second campus of the university on the Faridabad-Gurugram road. Certificates were also given to the alumni who had completed their bridge course recently.

The Tribune Mon, 25 October 2021
https://epaper.tribuneindia.com/c/63945579

NEWS CLIPPING:25.10.2021

NAVBHARAT TIMES

अब हिंदी में भी बीटेक कर सकेंगे छात्र

फरीदाबाद की जगदीश चंद्र बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 30 सीटें

एनबीटी न्यूज, पलवल: हरियाणा के 3 विश्वविद्यालयों में अब बीटेक की पढ़ाई हिंदी भाषा में होगी। इसमें जगदीश चंद्र बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद को भी शामिल किया गया है। जेसीबी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की 30 सीटों को मान्यता दी गई है। इन यूनिवर्सिटियों में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद नई दिल्ली ने शैक्षिक वर्ष में इसमें मान्यता प्रदान की है। लोक संपर्क विभाग के निदेशक डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस बारे में यूनिवर्सिटियों के मोबाइल नंबर से ज्यादा जानकारी ली जा सकती है। शैक्षिक वर्ष 2021-22 से बीटेक की पढ़ाई हिंदी भाषा में करवाने के लिए हरियाणा के 3 तकनीकी यूनिवर्सिटियों को मान्यता प्रदान की है। इन विश्वविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन यूनिवर्सिटियों में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार को संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी (कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग), सूचना प्रौद्योगिकी (इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी), इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग), यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) सहित चार शाखाओं की पढ़ाई हिंदी में होगी। प्रत्येक शाखा में 30-30 सीटों की मान्यता दी गई है। इसी प्रकार दीनबंधू छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल जिला सोनीपत को विद्युतीय अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) व यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) 2 शाखाओं के लिए प्रत्येक शाखा में 30 सीटों की मान्यता दी गई है। जगदीश चंद्र बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद को यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) में 30 सीटों की मान्यता दी गई है।